



Hargharpanditji

॥ नरक चतुर्दशी पर वास्तु उपाय ॥
ॐ श्रीं महालक्ष्म्यै नमः

FULL DISCLAIMER

This book is for educational, inspirational, and cultural purposes only. The remedies, rituals, affirmations, breathing methods, and spiritual practices described are based on traditional beliefs, historical customs, and personal development principles. They are not guaranteed solutions.

This book does not replace advice from licensed doctors, psychologists, financial advisors, lawyers, or other qualified professionals. If you have medical symptoms, mental health concerns, legal matters, or financial risk, seek professional help.

Use all remedies responsibly, ethically, peacefully, and according to local law. Do not use fire, herbs, fasting, incense, or physical practices in unsafe ways. The author and publisher are not liable for misuse.

Results in life depend on effort, discipline, timing, environment, skill, and many other factors. No spiritual method guarantees money, marriage, success, healing, or protection.

Hargharpanditji

"PUJA ON YOUR SCREEN, BLESSINGS
AT YOUR DOOR"

॥ नरक चतुर्दशी पर वास्तु उपाय ॥

नरक चतुर्दशी, जिसे छोटी दिवाली और रूप चौदस भी कहा जाता है, दीपावली पर्व का महत्वपूर्ण दिन है। इस दिन घर की स्वच्छता, दीपदान और नकारात्मकता दूर करने से जुड़े पारंपरिक उपाय किए जाते हैं।

नरक चतुर्दशी के विशेष वास्तु उपाय

घर की गहन सफाई करें

घर के कोनों, स्टोर रूम, बालकनी और प्रवेश द्वार की अच्छी तरह सफाई करें। अनावश्यक और टूटी-फूटी वस्तुओं को हटाएँ।

मुख्य द्वार को सजाएँ

मुख्य द्वार पर रंगोली, शुभ-लाभ, स्वस्तिक या अन्य मंगल प्रतीक बनाएँ। दरवाजे के आसपास पर्याप्त रोशनी रखें।

नकारात्मक ऊर्जा दूर करने के लिए दीपक जलाएँ। शाम के समय घर के अलग-अलग हिस्सों में दीपक जलाएँ। विशेष रूप से अंधेरे और लंबे समय से बंद स्थानों को प्रकाशमय रखें।

यम दीपक जलाएँ

नरक चतुर्दशी पर यम देव के निमित्त घर के बाहर दीपक जलाने की परंपरा है। इसे परिवार की सुख-शांति और दीर्घायु की कामना से जोड़ा जाता है।

दक्षिण दिशा का रखें ध्यान

पारंपरिक मान्यता में दक्षिण दिशा का संबंध यम से माना जाता है। इस दिशा में कूड़ा, टूटी वस्तुएँ या अत्यधिक अव्यवस्था न रखें।